

* प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण वर्ष :- 2016-17

1. अधिकारी/कर्मचारी का पूरा नाम :- डॉ. अ. व. शर्मा
2. वर्तमान धारित पद :- वरिष्ठ परिहार अधिकारी
3. कार्यालय का नाम :- राज्यक. यंत्र. (34 के. ए.) म. प. पा. शं. के. डि. वि. पां. डू. 2011
4. वर्तमान वेतन :- 14,390 + आय. पेंशन (4100) + 24707
5. भविष्य निधि क्रमांक :- 26390202 6. कर्मचारी संख्या :- 93412078

उस जिले, उप-संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें सम्पत्ति स्थित हो	सम्पत्ति का नाम तथा ब्यौरे		** वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर धारित है और उसका मण्डल अधिकारी/कर्मचारी से क्या संबंध है।	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया, खरीदा, *** पट्टा, बंधक, विरासत, भेंट या अन्य किसी प्रकार तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा ब्यौरा।	सम्पत्ति से वार्षिक आय।	अभियुक्ति
	गृह तथा अन्य भवन	भूमि					
01.	02.	03.	04.	05.	06.	07.	08.
① ग्राम- विठ्ठाशुआ पा- तिवाड ए- पां. डू. 2011 जि- डिंवाडा	—	1 1/2 एकड़	6,00,000/-	स्वयं	पैसा सम्पत्ति	10,000/-	
② नगर- पां. डू. 2011 ए- पां. डू. 2011 जि- डिंवाडा	—	(30x45) वर्ग फुट काट	8,00,000/-	स्वयं	वेतन से बचत एक अंश लेकर (मो. डी. वि. म. स. स. से तब लेना)	— Nil —	

* जहा लागू न हो, काट दीजिए।

** ऐसे मामले में जहाँ मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहाँ वर्तमान स्थिति के संदर्भ में लगभग मूल्य बताया जाए।

हस्ताक्षर :- डॉ. अ. व. शर्मा

नाम :- डॉ. अ. व. शर्मा

पदनाम :- वरिष्ठ परिहार अधिकारी

*** इसमें अल्पकालीन पट्टे भी सम्मिलित है।

टिप्पणी :- मण्डल द्वारा ग्राह्य म.प्र. शासकीय सेवक (आचरण) नियम 1985 के नियम 19 (1) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है कि वह सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक 12 माहों की अवधि के पश्चात यह घोषणा पत्र भरकर प्रस्तुत करे और उसमें वह उसके स्वामित्व की तथा उसके द्वारा अर्जित अथवा उसे विरासत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर अथवा किसी अन्य व्यक्ति के नाम से पट्टे या बंधक पर धारित स्थावर (अचल) सम्पत्ति का विवरण देवे।